'महिलाओं को बदलनी होगी अपनी तकदीर'

कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विचार गोष्ठी

गौरीगंज (सुल्तानपुर)। 'मुश्किलें दिल के इरादे आजमाती हैं, स्वप्न के परदे निगाहों से हटाती हैं, हौसला मत हार गिरकर ओ मुसाफिर, ठोकर इंसान को चलना सिखाती है।' प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर की इन पंक्तियों पर चलते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा एसीसी महिला क्लब की प्रमुख रेखा सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बाबूपुर की ग्रामीण महिलाओं को दीं। सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एसीसी की महिलाओं ने बाबूपुर गांव की महिलाओं के साथ मिल-बैठकर आगे बढ़ने और देश की तरक्की में महिलाओं के योगदान पर चर्चा की। अहेड की प्रमुख रेखा सिंह ने कहा कि अगर हौसले बुलंद हों तो कोई बाधा आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती है। अगर भारत की तस्वीर बदलनी है तो गांव की महिलाओं को अपनी तकदीर बदलनी होगी। एसीसी महिला क्लब की सीमा अग्रवाल ने कहा कि गांव की महिलाओं की तरक्की के बिना समाज के मुट्ठी भर लोग कुछ नहीं कर सकते हैं। क्लब की कल्पना रंजन ने कहा कि महिला दो परिवारों के बीच सेतु का काम करती है। कार्यक्रम में एसीसी कंपनी के सीजे यादव, वरुण कुमार, सतीश कुमार सहित कई अफसर व बाबूपुर गांव की महिलाएं उपस्थित रहीं।

एनवाईके ने आयोजित की महिला गोष्ठी

गौरीगंज। नेहरू युवा केंद्र अमेठी ने बरनाटीकर गांव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। विचार गोष्ठी में तीन सौ से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवाकर्मी पूनम सिंह ने किया। इस मौके पर बरनाटीकर गांव की महिला उप प्रधान विमला देवी, सेंभुई की प्रधान उमापति, परियोजना अधिकारी शशि सिंह, मंडल अध्यक्ष शिवानी सिंह सहित रुचि, रूबी, रेखा, कमला देवी, निर्मला सिंह आदि मौजूद रहीं।

गौरीगंज के बाबूपुर गांव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला गोष्ठी में मौजूद एसीसी अहेड की प्रमुख रेखा सिंह और अन्य।